पिछले 50 साल से लगातार प्रकाशित पुणे का एकमात्र हिंदी दैनिक
आज का आनंद
खुद बदलो ! दुनिया बदल जायेगी...
Pune | 07-02-2022 | Page- 10
aajkaanand.epapers.in

सहकारिता की शिक्षा व प्रशिक्षण के लिए समर्पित वैम्निकॉम पुणे का गौरवपूर्ण संस्थान

संस्थान की डायरेक्टर डॉ. हेमा यादव द्वारा दै. 'आज का आनंद' से विशेष बातचीत में महत्वपूर्ण जानकारी

- 50 वर्षों से बैंकिंग, सहकारिता, परामर्श, प्रशिक्षण व शोध क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां अर्जित
- मानव संसाधन विकास के लिए वैम्निकॉम के पड़ोसी सार्क देशों से सहयोगात्मक संबंध

वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान (VAMNICOM) देश का प्रतिष्ठित संस्थान हैं. इस संस्थान में सहकारिता से संबंधित विशेष पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं. सहकारिता मंत्रालय के अधीन इस इंस्टीट्यूट के पाठयक्रमों की मान्यता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी है. ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट के लिए वैम्निकॉम के सार्क देशों से भी सहयोगात्मक संबंध हैं. वैम्निकॉम ने 50 वर्षों से बैंकिंग, सहकारिता, परामर्श, प्रशिक्षण व शोध क्षेत्र में शानदार उपलब्धियां अर्जित की हैं. पुणे के इस संस्थान को प्रतिष्ठापूर्ण तरीके से संचालित करने वाली डायरेक्टर डॉ. हेमा यादव की दै. 'आज का आनंद' से विशेष बातचीत के प्रमुख अंश.

डॉ. हेमा यादव, डायरेक्टर
वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय प्रबंध संस्थान

1). वैम्निकॉम की स्थापना उददेश्य के बारे में बताएं?

डॉ. हेमा यादव– वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पुणे की स्थापना एक राष्ट्रीय स्तर के संस्थान के रूप में वर्ष 1967 में सहकारिता के क्षेत्र में शिक्षा एवं प्रशिक्षण के उद्देश्य से की गई. वर्तमान में यह संस्थान नवसृजित सहकारिता मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत है. संस्थान द्वारा सहकारिता की विभिन्न गतिविधियां जैसे सहकारी बैंकिंग, सहकारी आवास, सहकारी उपभोक्ता, कृषि प्रसंस्करण, मत्स्य सहकारिता, हथकरघा सहकारिता, शुगर को-ऑपरोटिव, दुग्ध सहकारिता इत्यादि गतिविधियों से संबंधित प्रशिक्षण, परामर्शदाता, अनुसंधान इत्यादि सेवाओं को देने का कार्य विगत 50 वर्षो से भी अधिक समय से संस्थान कर रहा है.

2). वैम्निकॉम के अंतर्गत कौन-कौन से कोर्सेस चलाए जाते हैं?

डॉ. हेमा यादव– वैम्निकॉम के अंतर्गत निम्न पाठयक्रम एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं. लांग टर्म और शार्ट टर्म कोर्सेस हैं. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एग्री बिजनेस मैनेजमेंट और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट कोर्स हैं. लांग टर्म कोर्सेस में पी.जी.डी.सी.बी.एम. (सेवारत अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हैं.), पी.जी.डी.एम.ए.बी.एम (ग्रेजुएट/पोस्ट ग्रेजुएट छात्र एवं छात्राओं हेतु है. और डीएमसीओ (ग्रेजुएट/ पोस्ट ग्रेजुएट छात्र एवं छात्राओं हेतु है) कोर्सेस चलाए जाते हैं. तथा शार्ट टम कोर्सेस में सहकारी बैंकिंग, सहकारी आवास, सहकारी उपभोक्ता, कृषि प्रसंस्करण, मत्स्य सहकारिता, हथकरघा सहकारिता, शुगर को-ऑपरेटिव, दुग्ध सहकारिता इत्यादि क्षेत्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु प्रबंधकीय/अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं.

3). वैम्निकॉम से प्रतिवर्ष कितने स्टूडेंट्स/प्रतिभागी पास आउट होते हैं?

डॉ. हेमा यादव– वैम्निकॉम से प्रतिवर्ष पी.जी.डी.सी.बी.एम. कोर्स में 25-30 प्रतिभागी (सेवारत) पासआउट होते हैं. पी.जी.डी.एम. ए.बी.एम में 75-80 छात्र एवं छात्राएं पास आउट होते हैं. और डीएमसीओ में 20 प्रतिभागी प्रतिवर्ष पास आउट होते हैं. अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं. इनमें कुल आयोजित कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष 100-120 कार्यक्रम होते हैं. जिसमें लगभग 4000 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जाता है.

4) वैम्निकॉम से कोर्स पूरा करने के बाद विद्यार्थियों को प्लेसमेंट सर्विस का लाभ मिलता है क्या?

डॉ. हेमा यादव– वैम्निकॉम से पी.जी.डी.सी.बी.एम. कोर्स करने वाले विद्यार्थी/प्रतिभागी पहले से ही सेवारत होते हैं. पी.जी.डी.एम.ए.बी.एम के विद्यार्थियों को वैम्निकॉम द्वारा कोर्स पूर्ण करने के बाद प्लेसमेंट सर्विस का लाभ मिलता है.

5) वैम्निकॉम में आप कितने साल से कार्यरत हैं?

डॉ. हेमा यादव– वैम्निकॉम में वर्तमान निदेशिका के पद पर 26 अप्रैल 2021 से मैं कार्यरत हूं. इसके पहले मैं कृषि मंत्रालय के अंतर्गत, राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्था जयपुर में निदेशक थी.

6) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैम्निकॉम की अलग पहचान है, कृपया इसके बारे में जानकारी दीजिए

डॉ. हेमा यादव– वैम्निकॉम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रतिष्ठित एवं लोकप्रिय संस्थान के रूप में महत्वपूर्ण पहचान रखता है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैम्निकॉम का संबंध अंतरराष्ट्रीय कृषि एवं खाद्य संगठन (एफएओ) एवं सार्क देशों के साथ सहकारी शिक्षा, प्रशिक्षण एवं संबंधित विविध गतिविधियों में स्थापित है. वैम्निकॉम परिसर में सीक्टैब (कृषिगत बैंकिंग में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता एवं प्रशिक्षण केंद्र) जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्था का केंद्र वर्ष 1983 से स्थापित है, जिसके द्वारा भारत के पड़ोसी देशों नेपाल, बांगलादेश, श्रीलंका, भूटान व मालदीव जैसे देशों के साथ सहयोगात्मक संबंध परस्पर मानव संसाधन विकास हेतु स्थापित है. समय समय पर जापान, अफ्रीका इत्यादि देशों के साथ भी प्रशिक्षण संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किये जाते हैं.

7) क्या पुणे के अलावा वैम्निकॉम का देश में कही और भी सेंटर्स हैं, और कितने हैं?

डॉ. हेमा यादव– वैम्निकॉम राष्ट्रीय महत्व की संस्था होने के कारण राज्य स्तर पर स्थापित राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली के सहकारी प्रबंध संस्थानों जिनकी संख्या 19 है, उनके सभी तरह की गतिविधियों में परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है.

वैम्निकॉम एक नजर में...

- 1967 में पुणे में स्थापित
- हरवर्ष सभी कोर्सेस के लिए 4000 स्टूडंट्स दाखिला लेते हैं
- लैंग्वेज ऑफ टीचिंग-इंग्लिश

8) यहां सभी कोर्सेस फुल टाइम हैं या पार्ट टाइम? ये सभी कोर्सेस ऑनसाइट होते हैं या एक्सटर्नल भी किए जा सकते हैं?

डॉ. हेमा यादव– यहां के सभी कोर्सेस फुल टाइम हैं. और ये सभी कोर्सेस ऑनसाईट होते हैं अथवा एक्सटर्नल भी किए जा सकते हैं. वैम्निकॉम में संचालित सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान के आवासीय सुविधा के अंतर्गत फुल टाइम आयोजित किए जाते हैं.

9) यहां कोर्सेस करने वाले छात्रों में शहरी-ग्रामीण का प्रमाण क्या है और इन लड़के लड़कियों का पर्सेंटेज कितना है?

डॉ. हेमा यादव– संस्थान में आयोजित सभी शिक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागिता शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से समान रूप से होता है.

Powered by iDocuments